प्राध्यापक (संस्कृत शिक्षा) प्रतियोगी परीक्षा - 2020

पुस्तिका में पृष्ठों की संख्या : 16
Number of Pages in Booklet : 16

पुस्तिका में प्रश्नों की संख्या : 150
No. of Questions in Booklet : 150

Paper Code : 07
Sub: Samanya Darshan

प्रश्न-पत्र पुस्तिका संख्या /
Question Paper Booklet No.

8207261

LSK-02

परीक्षा दिनांक:- 17/12/2020
समय:- 02:00PM To 05:00PM

समय : 3.00 घण्टे
Time : 3.00 Hours

PAPER-II

अधिकतम अंक : 300
Maximum Marks : 300

प्रश्न-पत्र पुस्तिका एवं उत्तर पत्रक के पेपर सील/पॉलिथीन बैग को खोलने पर परीक्षार्थी यह सुनिश्चित कर लें कि उसके प्रश्न-पत्र पुस्तिका पर वही प्रश्न-पत्र पुस्तिका संख्या अंकित है जो उत्तर पत्रक पर अंकित है । इसमें कोई भिन्नता हो तो परीक्षार्थी वीक्षक से दूसरा प्रश्न-पत्र प्राप्त कर लें । ऐसा सुनिश्चित करने की जिम्मेदारी अभ्यर्थी की होगी ।
On opening the paper seal/polythene bag of the Question Paper Booklet the candidate should ensure that Question Paper Booklet No. of the Question Paper Booklet and Answer Sheet must be same. If there is any difference, candidate must obtain another Question Paper Booklet from Invigilator. Candidate himself shall be responsible for ensuring this.

परीक्षार्थियों के लिए निर्देश

1. **सभी** प्रश्नों के उत्तर दीजिए ।
2. **सभी** प्रश्नों के अंक समान हैं ।
3. प्रत्येक प्रश्न का केवल **एक** ही उत्तर दीजिए ।
4. एक से अधिक उत्तर देने की दशा में प्रश्न के उत्तर को गलत माना जाएगा ।
5. प्रत्येक प्रश्न के चार वैकल्पिक उत्तर दिये गये हैं, जिन्हें क्रमश: 1, 2, 3, 4 अंकित किया गया है । अभ्यर्थी को सही उत्तर निर्दिष्ट करते हुए उनमें से केवल एक गोले अथवा बबल को उत्तर पत्रक पर **नीले बॉल प्वाइंट पेन** से गहरा करना है ।
6. **OMR** उत्तर पत्रक इस परीक्षा पुस्तिका के अन्दर रखा है । जब आपको परीक्षा पुस्तिका खोलने को कहा जाए, तो उत्तर-पत्रक निकाल कर ध्यान से केवल **नीले बॉल पॉइंट पेन** से विवरण भरें ।
7. **प्रत्येक गलत उत्तर के लिए प्रश्न अंक का 1/3 भाग काटा जायेगा ।** गलत उत्तर से तात्पर्य अशुद्ध उत्तर अथवा किसी भी प्रश्न के एक से अधिक उत्तर से है । किसी भी प्रश्न से संबंधित गोले या बबल को खाली छोड़ना गलत उत्तर नहीं माना जायेगा ।
8. मोबाइल फोन अथवा इलेक्ट्रोनिक यंत्र का परीक्षा हॉल में प्रयोग पूर्णतया वर्जित है । यदि किसी अभ्यर्थी के पास ऐसी कोई वर्जित सामग्री मिलती है तो उसके विरुद्ध आयोग द्वारा नियमानुसार कार्यवाही की जायेगी ।
9. कृपया अपना रोल नम्बर ओ.एम.आर. पत्रक पर सावधानीपूर्वक सही भरें । गलत अथवा अपूर्ण रोल नम्बर भरने पर **5 अंक** कुल प्राप्तांकों में से काटे जा सकते हैं ।

चेतावनी : अगर कोई अभ्यर्थी नकल करते पकड़ा जाता है या उसके पास से कोई अनधिकृत सामग्री पाई जाती है, तो उस अभ्यर्थी के विरुद्ध पुलिस में प्राथमिकी दर्ज कराते हुए विविध नियमों-प्रावधानों के तहत कार्यवाही की जाएगी । साथ ही विभाग ऐसे अभ्यर्थी को भविष्य में होने वाली विभाग की समस्त परीक्षाओं से विवर्जित कर सकता है ।

INSTRUCTIONS FOR CANDIDATES

1. Answer **all** questions.
2. **All** questions carry equal marks.
3. Only **one** answer is to be given for each question.
4. If more than one answers are marked, it would be treated as wrong answer.
5. Each question has four alternative responses marked serially as **1, 2, 3, 4**. You have to darken only one circle or bubble indicating the correct answer on the Answer Sheet using **BLUE BALL POINT PEN**.
6. The **OMR** Answer Sheet is inside this Test Booklet. When you are directed to open the Test Booklet, take out the Answer Sheet and fill in the particulars carefully with **blue ball point pen** only.
7. **1/3 part of the mark(s) of each question will be deducted for each wrong answer.** A wrong answer means an incorrect answer or more than one answers for any question. Leaving all the relevant circles or bubbles of any question blank will not be considered as wrong answer.
8. Mobile Phone or any other electronic gadget in the examination hall is strictly prohibited. A candidate found with any of such objectionable material with him/her will be strictly dealt as per rules.
9. Please correctly fill your Roll Number in O.M.R. Sheet. **5 Marks** can be deducted for filling wrong or incomplete Roll Number.

Warning : If a candidate is found copying or if any unauthorized material is found in his/her possession, F.I.R. would be lodged against him/her in the Police Station and he/she would liable to be prosecuted. Department may also debar him/her permanently from all future examinations.

इस परीक्षा पुस्तिका को तब तक न खोलें जब तक कहा न जाए ।
Do not open this Test Booklet until you are asked to do so.

1. तदभाववति तत्प्रकारकोऽनुभवः भवति –
(1) यथार्थः
(2) ऋतम्
(3) अयथार्थः
(4) प्रमाणम्

2. तर्कसंग्रहानुसारं करणस्य लक्षणं किं –
(1) सर्वसाधारणकारणं
(2) असाधारणकारणं
(3) साधारणकारणं
(4) विशेषसाधारणकारणं

3. तर्कसंग्रहानुसारं कार्यं –
(1) प्रध्वंसाभावाप्रतियोगी
(2) अन्योन्याभावप्रतियोगी
(3) प्रागभावप्रतियोगी
(4) अत्यन्ताभावप्रतियोगी

4. पटस्य निमित्तं कारणं –
(1) तन्तवः
(2) तन्तुसंयोगः
(3) तन्तुरूपम्
(4) तुरीवेमादिकम्

5. इन्द्रियार्थसंनिकर्षः कतिविधः –
(1) षड्विधः
(2) चतुर्विधः
(3) द्विविधः
(4) सप्तविधः

6. रूपत्वसामान्यप्रत्यक्षे कः सन्निकर्षः –
(1) संयुक्तसमवायः
(2) विशेषणविशेष्यभावः
(3) समवायः
(4) संयुक्तसमवेतसमवायः

7. आकुञ्चनं प्रकारः अस्ति –
(1) गमनस्य
(2) भ्रमणस्य
(3) कर्मणः
(4) प्रक्रियायाः

8. तैजसः विषयः नास्ति –
(1) किरणम्
(2) भौमम्
(3) आकरजम्
(4) औदयम्

9. तर्कसंग्रहानुसारं दिक् अस्ति –
(1) अनेका, लघ्वी, अनित्या
(2) अनेका, विभ्वी, नित्या
(3) एका, विभ्वी, नित्या
(4) एका, लध्वी, अनित्या

10. ________ साधनमिन्द्रियं मनः । तर्कसंग्रहदिशा रिक्त स्थानं पूरयत
(1) दुःखोपलब्धि
(2) स्मृत्युपलब्धि
(3) ज्ञानमुपलब्धि
(4) सुखाद्युपलब्धि

11. अधोऽङ्कितानां समीचीनां तालिकां चिनुत –

A.	द्रव्यम्	I.	प्रसारणम्
B.	गुणम्	II.	इच्छा
C.	कर्म	III.	जाति
D.	सामान्यम्	IV	काल

कूट :

	A	B	C	D
(1)	IV	II	I	III
(2)	III	IV	I	II
(3)	II	I	III	IV
(4)	IV	II	III	I

12. अथ योगानुशासनम् इत्यत्र अथशब्देन कोऽर्थः –
(1) आनन्तर्यार्थः
(2) अधिकारार्थः
(3) पूर्वप्रकृतार्थः
(4) पूरणार्थः

13. समाधौ दृष्टुरवस्थानं भवति –
(1) ईश्वरे
(2) प्रकृतौ
(3) स्वरूपे
(4) पुरुषे

14. योगदर्शनानुसारं पञ्चवृत्तिषु न गण्यते –
(1) विपर्ययः
(2) निद्रा
(3) विकल्पः
(4) अध्यवसायः

15. योगदर्शनानुसारं अभ्यासः कः –
(1) स्थितौ यत्नः
(2) वृत्तौ प्रयत्नः
(3) समाधौ यत्नः
(4) चेतसि यत्नः

16. परवैराग्यं किं –
(1) विषयेषु वैतृण्यम्
(2) गुणेषु वैतृण्यम्
(3) प्रकृतौ वैतृण्यम्
(4) भोगेषु वैतृण्यम्

17. ईश्वरे निरतिशयं भवति –
(1) बुद्धिबीजम्
(2) ज्ञानबीजम्
(3) शक्तिबीजम्
(4) सर्वज्ञबीजम्

18. ईश्वरः पूर्वेषामपि गुरुः कस्मात् –
(1) ज्ञानाधिक्यात्
(2) सर्वत्रप्रवेशात्
(3) कालेनानवच्छेदात्
(4) शास्त्रोपदेशात्

19. वृत्तयः कतिविधास्सन्ति –
(1) त्रयः
(2) पञ्च
(3) षट्
(4) नव

20. विक्षेपसहभुवः सन्तिः –
(1) व्याधयः
(2) दर्शनानि
(3) दुःखानि
(4) प्रमादानि

21. ______ वैशारद्येऽध्यात्मप्रसादः । योगसूत्रदिशा रिक्तस्थानं पूरयत –
(1) सवितर्क
(2) सविचार
(3) निर्विचार
(4) सविकल्प

22. विवेकचूडामणौ वर्णितं गुरोः लक्षणेषु नास्ति –
(1) श्रोत्रियः
(2) शान्तः
(3) वरदः
(4) अवृजिनः

23. अहममेति प्रथितं मोहास्पदं शरीरं बुधैः किमितीर्यते –

(1) सूक्ष्मशरीरम्

(2) स्थूलशरीरम्

(3) कारणशरीरम्

(4) तुरीयम्

24. बुद्धीन्द्रियाणां "बुद्धीन्द्रिय" इति संज्ञा कस्मात् –

(1) ज्ञानावबोधनात्

(2) निश्चयावबोधनात्

(3) विषयावबोधनात्

(4) स्मरणावबोधनात्

25. अधोलिखितेषु प्राणस्य धर्मः कः –

(1) अध्यवसायम्

(2) संकल्पनम्

(3) विजृम्भणम्

(4) ज्ञानम्

26. सूक्ष्मशरीरविषयेऽसत्यं किम् –

(1) पुर्यष्टकम्

(2) पञ्चीकृतभूतसम्भवम्

(3) लिङ्गम्

(4) कर्मफलानुभावकम्

27. निम्नलिखितेषु विशुद्धसत्त्वस्य गुणः भवति –

(1) श्रद्धा

(2) भक्तिः

(3) तृप्तिः

(4) मुमुक्षुता

28. विज्ञानमयः कोशः भवति –

(1) गन्तागन्ता

(2) परतन्त्रः

(3) वस्तुविकल्पहेतुः

(4) कर्तृलक्षणः

29. अधोस्तनयुग्मेषु समीचीनां तालिकां चिनुत –

A.	रजोगुणः	I.	अविद्या
B.	तमोगुण	II.	निद्रा
C.	सत्त्वगुणः	III.	यम
D.	माया	IV	असूया

कूट :

	A	B	C	D
(1)	IV	II	III	I
(2)	III	IV	I	II
(3)	II	I	III	IV
(4)	IV	III	II	I

30. अन्तःकरणे बुद्धिवृतिर्भवति –

(1) संकल्पम्

(2) पदार्थाध्यवसायम्

(3) अहङ्कृतिः

(4) स्वार्थानुसन्धानम्

31. भक्तिविषये समीचनमस्ति –

A. मानसलीला भक्तिः

B. स्वात्मतत्त्वानुसन्धानं भक्तिः

C. स्वस्वरूपानुसन्धानं भक्तिः

D. मोक्षकारणसामग्रयां गरीयसी भक्तिः

कूट :

(1) A तथा C सत्यम्

(2) C तथा D सत्यम्

(3) B, C तथा D सत्यम्

(4) सर्वाणि कथनानि सत्यानि

32. कारणशरीरस्य विभक्त्यवस्था का –

(1) जाग्रत्

(2) तुरीयः

(3) सुषुप्तिः

(4) स्वप्नः

33. अधोलिखितेषु शमादिषट्सम्पत्तिषु गण्यते –
(1) अभिरतिः
(2) अनुरतिः
(3) उपरतिः
(4) विरतिः

34. श्रीमद्भगवद्गीतानुसारं मात्रास्पर्शाः न सन्ति –
(1) शीतदाः
(2) दुःखदाः
(3) नित्याः
(4) अपायिनः

35. श्रीमद्भगवद्गीतानुसारं भूतानि सन्ति –
(1) अव्यक्तमध्यानि
(2) व्यक्तादीनि
(3) व्यक्तनिधनानि
(4) व्यक्तमध्यानि

36. व्यवसायात्मिका बुद्धिः कीदृशी –
(1) बहुशाखाः
(2) अनन्ताः
(3) एका
(4) अनेका

37. श्रद्धावाँल्लभते –
(1) वित्तम्
(2) ऐश्वर्यम्
(3) ध्यानम्
(4) ज्ञानम्

38. समत्वयोगे कं त्यक्त्वा कर्माणि कर्त्तव्यानि –
(1) फलम्
(2) मोहम्
(3) सङ्गम्
(4) अज्ञानम्

39. अधोलिखितेषु सुमेलितं चिनुत –
(1) अविधेयात्मा – प्रसादमधिगच्छति
(2) प्रसन्नचेतसः – बुद्धि न पर्यवतिष्ठते
(3) कामकामी – शान्तिमाप्नोति
(4) निस्पृहः – शान्तिमधिगच्छति

40. पुरा भगवता कृष्णेन केषां निष्ठा ज्ञानयोगेन प्रोक्ता –
(1) योगिनां
(2) न्यायानां
(3) सांख्यानां
(4) वेदान्तिनां

41. भगवद्गीतानुसारं ये आत्मकारणात् पचन्ति ते कं भुञ्जते –
(1) अज्ञानम्
(2) नाशम्
(3) अधर्मम्
(4) अघम्

42. अधोलिखितेषु कारणकार्ययोर्मध्ये असुमेलितं चिनुत –
(1) अन्नात् – भूतानि
(2) पर्जन्यात् – अन्नं
(3) यज्ञात् – कर्म
(4) अक्षरात् – ब्रह्म

43. श्रीकृष्णः कस्मै अव्ययं योगं प्रोक्तवान् –
(1) ईक्ष्वाकवे
(2) मनवे
(3) अर्जुनाय
(4) विवस्वते

44. स्वधर्मे निधनम् __________
(1) प्रेयः
(2) उपेक्ष्यः
(3) ग्राह्यः
(4) श्रेयः

45. द्रव्यमयात् यज्ञात् कः श्रेयान् –
(1) तपोयज्ञः
(2) ज्ञानयज्ञः
(3) योगयज्ञः
(4) भूतयज्ञः

46. ईशावास्योपनिषदानुसारं जगत्यां यत्किञ्च जगत् तत् केन वास्यम् –
(1) आत्मना
(2) धर्मेण
(3) कर्मणा
(4) ईशा

47. कीदृक्कर्माणि कुर्वन्न कर्म लिप्यते नरे –
(1) निन्द्यकर्माणि
(2) दैनिककर्माणि
(3) काम्यकर्माणि
(4) शास्त्रविहितानिकर्माणि

48. एकत्वमनुपश्यतः न भवतः –
(1) क्रोधशोकौ
(2) कामक्रोधौ
(3) शोकमोहौ
(4) लोभमोहौ

49. ईशावास्योपनिषदः सम्बन्धः अस्ति –
(1) ऋग्वेदेन
(2) अथर्ववेदेन
(3) कृष्णयजुर्वेदेन
(4) शुक्लयजुर्वेदेन

50. कया मृत्यं तीर्यते –
(1) विद्यया
(2) सम्भूत्या
(3) प्रकृत्या
(4) अविद्यया

51. हिरण्यमयेन पात्रेण किमपिहितम्
(1) धर्मस्य मुखं
(2) कर्मणः मुखं
(3) आत्मनः मुखं
(4) सत्यस्य मुखं

52. आत्महनोजनाः प्रेत्य कीदृशाँल्लोकन् अभिगच्छन्ति –
(1) पुण्यलोकान्
(2) असूर्यानामलोकान्
(3) अधोलोकान्
(4) उर्ध्वलोकान्

53. हे अग्ने ! अस्मान् सुपथा नय इति प्रार्थना कस्मै कृता –
(1) सत्यधर्माय
(2) मुक्तये
(3) वृद्धये
(4) राये

54. पीतोदका जग्धतृणा दुग्धदोहा निरिन्द्रियाः कस्य विशेषणानि –
(1) उदकस्य
(2) दुग्धस्य
(3) गवाम्
(4) तृणस्य

55. स्वर्गे लोके न बिभेति –
(1) भिया
(2) बुभुक्षया
(3) जरया
(4) पिपासया

56. नचिकेता द्वितीयेन् वरेण किं प्रार्थितवान् –
(1) पितृपरितोषम्
(2) आत्मविद्याम्
(3) स्वर्ग्यं अग्निम्
(4) अमरत्वम्

57. केयं या निहितं गुहायाम् –
(1) गार्हपत्यमाग्निः
(2) स्वर्ग्यमग्निः
(3) आह्वनीयाग्निः
(4) दक्षिणाग्निः

58. मनीषिणः कं भोक्ता इत्याहुः –
(1) ज्ञानेन्द्रियमनोयुक्तम्
(2) चित्तेन्द्रियमनोयुक्तम्
(3) जीवेन्द्रियमनोयुक्तम्
(4) आत्मेन्द्रियमनोयुक्तम्

59. प्राज्ञः वाक् कस्मिन् यच्छेत् –
(1) ज्ञाने
(2) मनसि
(3) आत्मनि
(4) बुद्धौ

60. सुमेलितं चिनुत –
(1) श्रेयः आददानस्य – तस्य असाधु भवति
(2) यः प्रेयः वृणीते – स अर्थात् हीयते
(3) धीरः – प्रेयः वृणीते
(4) मन्दः – श्रेयः वृणीते

61. कोऽयं यः सहस्रेषु कश्चिदेव भवति –
(1) विद्वाॅन्
(2) ऐश्वर्यवान्
(3) आत्मविद्
(4) भाग्यवान्

62. अधोलिखितेषु आत्मा केन लभ्यते –
(1) प्रवचनेन
(2) मेधया
(3) श्रुतेन
(4) न केनापि

63. असुमेलितं चिनुत –
(1) वह्विव्याप्यधूमवानयं पर्वतः – लिङ्गपरामर्शः
(2) यत्र यत्र धूम्रस्तत्र तत्र वह्वि – व्याप्तिः
(3) पर्वतो वह्निमान् – प्रतिज्ञा
(4) तस्मात्तथा – उपनय

64. "अन्वयव्यतिरेकी" इत्यस्य लिङ्गस्योदाहरणमस्ति –
(1) पृथिवीतरेभ्यो भिद्यते गन्धत्वात्
(2) घटोऽभिधेयः प्रमेयत्वात् पटवत्
(3) वह्नौ साध्ये धूमवत्त्वम्
(4) शब्दो नित्यः शब्दत्वात्

65. उपाधिः भवति –
(1) साधनव्यापकत्वे साध्याव्यापकः
(2) साध्यव्यापकत्वे साधनाव्यापकः
(3) साध्याव्यापकत्वे साधनव्यापकः
(4) साध्यव्यापकत्वे साधनव्यापकः

66. अधोलिखितेषु हेत्वाभासः नास्ति –
(1) असिद्धः
(2) अनैकान्तिकः
(3) अबाधितः
(4) विरुद्धः

67. उपमितेः करणं किम् –
(1) संज्ञासञ्ज्ञिसम्बन्धज्ञानम्
(2) अतिदेशवाक्यार्थस्मरणम्
(3) सादृश्यज्ञानम्
(4) आप्तवाक्यम्

68. गौरश्वः पुरुषो हस्तीति न प्रमाणम् ? कस्मात् –
(1) सान्निध्याभावात्
(2) वाक्यार्थाभावात्
(3) आकांक्षाविरहात्
(4) योग्यताविरहात्

69. समवायविषये किं सत्यम्
(1) समवायाः अनेकाः
(2) समवायः अनित्यसम्बन्धः
(3) समवायः नित्यसम्बन्धः
(4) समवायः युतसिद्धवृत्तिः

70. अधोलिखितेषु अयुतसिद्धे न स्तः –
(1) जाति–व्यक्ती
(2) विशेष–अनित्यद्रव्ये
(3) गुण–गुणिनौ
(4) अवयव–अवयविनौ

71. सांख्यदर्शनानुसारं व्यक्तं तथा प्रधानं उभे न भवतः –
(1) त्रिगुणं
(2) विवेकी
(3) विषयः
(4) सामान्यम्

72. असुमेलितं चिनुत –
(1) त्रिगुणाः – अन्योन्यमिथुनवृत्तयः
(2) सत्त्वं – प्रकाशार्थः
(3) रजः – प्रवृत्त्यर्थः
(4) तमः – प्रीत्यात्मकः

73. अधोलिखितेषु प्रकृतेः सिद्ध्यर्थं हेतुः नास्ति –
(1) भेदानां परिमाणात्
(2) भेदानां समन्वयात्
(3) वैश्वरूप्यस्य विभागात्
(4) कारणकार्यविभागात्

74. "पुरुषोऽस्ति" इत्यत्र पुरुषस्य सत्ता कस्मात् –
(1) कर्तृभावात्
(2) ज्ञातृभावात्
(3) भोक्तृभावात्
(4) द्रष्ट्रभावात्

75. पुरुषबहुत्वं सिद्धं कस्मात् –
(1) करणानां – अप्रतिनियमात्
(2) जन्मानां – अप्रतिनियमात्
(3) मरणानां – अयुगत्प्रवृत्तेः
(4) त्रैगुण्यानां – अविपर्ययात्

76. अधोलिखितेषु सत्कार्यं भवति –
(1) सदकरणात्
(2) सत्करणात्
(3) असत्कारणात्
(4) असदकरणात्

77. अधस्तनयुग्मेषु असुमेलितं चिनुत –
(1) महत् – प्रकृतिः तथा च विकृतिः
(2) प्रकृतिः – अविकृतिः
(3) पुरुषः – न प्रकृतिर्न विकृतिः
(4) मनः – प्रकृतिः तथा च विकृतिः

78. सांख्याकारिकानुसारं दुःखानामेकान्तात्यन्ततोऽभावात् किं भवति –
(1) विवेकाख्यातिर्भवति
(2) दृष्टानुश्रविकानां सिद्धिर्भवति
(3) सांख्यशास्त्रविषयिणी जिज्ञासा अपार्था न भवति
(4) व्यक्ताव्यक्तज्ञज्ञानं भवति

79. शारीरं दुःखं कीदृशम् –
(1) आधिभौतिकम्
(2) आध्यात्मिकम्
(3) आधिदैविकम्
(4) बाह्योपायसाध्यम्

80. अधोलिखितेषु त्रिगुणादेः विपर्यासात् पुरुषस्य सिद्धम् –
(1) कर्तृत्वम्
(2) भोक्तृत्वम्
(3) दृष्टृत्वम्
(4) ज्ञातृत्वम्

81. जैनदर्शने समनस्काः जीवाः भवन्ति –
(1) मुक्ताः
(2) संसारिणः
(3) अमुक्ताः
(4) असंसारिणः

82. औदारिकादिकायादिचलनद्वारेण आत्मश्चलनं भवति –
(1) संवरः
(2) बन्धः
(3) जीवः
(4) आस्रवः

83. जैनदर्शनानुसारं अधोलिखितेषु बन्धहेतुः नास्ति –
(1) योगः
(2) अविरतिः
(3) मिथ्यादर्शनम्
(4) अविवेकः

84. निर्जरा कतिविधा –
(1) त्रिविधा
(2) द्विविधा
(3) चतुर्विधा
(4) पंचधा

85. चार्वाकानुसारेण केभ्यः चैतन्यमुपजायते –
(1) देहेभ्यः
(2) चतुर्भूतेभ्यः
(3) किण्वादिभ्यः
(4) विज्ञानेभ्यः

86. चार्वाकानुसारेण मोक्षः कः –
(1) आत्मच्छेदः
(2) भूतच्छेदः
(3) देहच्छेदः
(4) बुद्धिच्छेदः

87. चार्वाकानुसारेण किं प्रमाणं स्वीकृतम् –
(1) प्रत्यक्षम्
(2) अनुमानम्
(3) शब्दम्
(4) उपमानम्

88. चार्वाकानुसारेण प्रत्यक्षं भवति –
(1) बाह्यम्
(2) बाह्यमान्तरम्
(3) आन्तरम्
(4) न बाह्यं न आन्तरम्

89. ब्रह्मविज्ञानस्य फलं किम् –

(1) अभ्युदयम्

(2) निःश्रेयसम्

(3) मोक्षम्

(4) ज्ञानम्

90. **कथनं –** "ब्रह्मजिज्ञासा" इत्यस्मिन पदे ब्रह्मणः इति कर्मणि षष्ठी न शेषे ।

कारणं – जिज्ञास्यपेक्षत्वाज्जिज्ञासायाः

उक्तसन्दर्भेऽधोलिखितेषु सत्यं किम् –

(1) कथनमसत्यं कारणं सत्यम्

(2) कारणमसत्यं कथनं सत्यम्

(3) कथनं कारणञ्चोभयं सत्यम् तथा च कारणं कथनस्य समीचीनां व्याख्यां न प्रस्तौति ।

(4) कथनं कारणञ्चोभयं सत्यम् तथा च कारणं कथनस्य समीचीनां व्याख्यां प्रस्तौति ।

91. अधोलिखितेषु ब्रह्मावगतिर्कीदृशी –

(1) प्रत्यक्षमात्रगम्या

(2) अनुमानप्रमाणान्तरनिर्वृत्ता

(3) वाक्यार्थविचारणाध्यवसाननिर्वृत्ता

(4) उपमानप्रमाणाध्यवसाननिर्वृत्ता

92. कस्मात् प्रमाणात् जन्मादिकारणं ब्रह्माधिगम्यत –

(1) उपदेशात्

(2) तर्कात्

(3) शास्त्रात्

(4) प्रवचनात्

93. प्लेटोमहोदयस्य प्रत्ययसिद्धान्तविषये (The Doctrine of Ideas) किं सत्यं नास्ति –

(1) प्रत्ययाः मूलद्रव्याः (Real Substance) सन्ति

(2) प्रत्ययाः मूर्ताः (Tangible) सन्ति

(3) प्रत्ययाः सौर्वभौमाः (Universal) सन्ति

(4) प्रत्यययायानां ज्ञानं बुद्ध्या (Intellect) भवति

94. "ज्ञानमेव सद्गुणः" (Knowledge is the virtue) इति कः दार्शनिक उक्तवान् –

(1) प्लेटो

(2) सुकरात

(3) अरस्तु

(4) हेरोडोट्स

95. अधोलिखितेषु अरस्तुमहोदयनुसारं ईश्वर कः –

(1) कर्ता (Doer)

(2) ज्ञाता (Knower)

(3) प्रेरकः (Mover)

(4) भोक्ता (Enjoyer)

96. असुमेलितं चिनुत –

(1) बौद्धः – असत्कारणवादः

(2) न्यायः – असत्कार्यवादः

(3) सांख्य – परिणामवादः

(4) जैनः – प्रतीत्यसमुत्पादः

97. न्यायवैशेषिकानुसारं आत्मनि कतिगुणाः सन्ति –

(1) पञ्चदश

(2) सप्तदश

(3) चतुर्दश

(4) दश

98. "अनुपलब्धिः" नामकं प्रमाणं स्वीक्रियते –

(1) प्राभाकरमते

(2) भाट्टमते

(3) न्यायमते

(4) बौद्धमते

99. "मनोविज्ञानं जीवनस्य सर्वासु परिस्थितिषु प्राणिनां प्रतिक्रियाणा मध्ययनं करोति ।" इति केन उक्तम् ?

(1) वाटसन महोदयेन

(2) वुडवर्थ महोदयेन

(3) पिल्सबरी महोदयेन

(4) स्किनर महोदयेन

100. सी.एल. हल महोदयेन अधिगमस्य कः सिद्धान्तः प्रतिपादितः ?

(1) सम्बद्ध प्रतिक्रिया सिद्धान्तः

(2) प्रबलन सिद्धान्तः

(3) उद्दीपन– प्रतिक्रिया सिद्धान्तः

(4) अन्तर्दृष्टि सिद्धान्तः

101. मनोविज्ञानस्य वास्तविकः अर्थ वर्तते ?

(1) आत्मनः विज्ञानम्

(2) मस्तिष्कस्य विज्ञानम्

(3) व्यवहारस्य विज्ञानम्

(4) चेतनायाः विज्ञानम्

102. शिक्षा मनोविज्ञानं सहायक मस्ति –

(1) अनुशासने

(2) बालविकासस्य ज्ञाने

(3) मूल्याङ्कने

(4) सर्वाङ्गीण विकासे

103. कस्यामवस्थायां स्वतन्त्रतायाः विद्रोहस्य च भावना बलवती भवति _________ ?

(1) बाल्यावस्थायाम्

(2) किशोरावस्थायाम्

(3) प्रौढ़ावस्थायाम्

(4) वृद्धावस्थायाम्

104. "किशोरस्य समीपे निर्णयस्य अनुभवः न भवति" । इति कस्य कथनम् अस्ति ?

(1) स्किनरस्य

(2) कोहलस्य

(3) वुडवर्थस्य

(4) थार्नडाइकस्य

105. परिवारे एव सर्वप्रथमं बालकस्य भवति –

(1) उन्मुखीकरणम्

(2) समाजीकरणम्

(3) वैश्वीकरणम्

(4) बुद्धिजीवीकरणम्

106. 'संवेगः चेतनायाः सा अवस्था अस्ति यस्यां रागात्मक – तत्त्वस्य प्रधानता भवति ।" इति कथन मस्ति ?

(1) लॉस महोदयस्य

(2) क्रॉस महोदयस्य

(3) रॉस महोदयस्य

(4) हॉस महोदयस्य

107. वुडवर्थ महोदयानुसारं विकासस्य प्रक्रिया अस्ति –

(1) अनुगमः

(2) अधिगमः

(3) आगमः

(4) अवगमः

108. अधिगमः न अस्ति –
(1) अपूर्णम्
(2) विवेकपूर्णम्
(3) उद्देश्यपूर्णम्
(4) सक्रियम्

109. प्रभावशाली अधिगमस्य अवरोधकः नास्ति –
(1) जीवनेन सह असम्बद्धता
(2) उद्देश्यहीनता
(3) प्रेरणायाः अभाव
(4) विद्यालयस्य उत्तमं वातावरणम्

110. कोलसनिक महोदयानुसारंम् अधिगमस्य कः सिद्धान्त गणित – शिक्षणाय सर्वाधिक – उपयोगी अस्ति ?
(1) प्रबलन सिद्धान्तः
(2) उद्दीपन प्रतिक्रिया सिद्धान्तः
(3) सम्बद्ध–प्रतिक्रिया सिद्धान्तः
(4) अन्तर्दृष्टि सिद्धान्तः

111. थार्नडाइक महोदयस्य अधिगमस्य सिद्धान्तस्य नियमः अस्ति –
(1) विभावस्य नियमः
(2) प्रभावस्य नियमः
(3) अनुभावस्य नियमः
(4) अभावस्य नियमः

112. शिक्षार्थिनां बुद्धि–रुचि–योग्यता–अभियोग्यतादीनां ज्ञानं केन भवति ?
(1) बाल मनोविज्ञानेन
(2) असामान्य मनोविज्ञानेन
(3) शिक्षा मनोविज्ञानेन
(4) परा मनोविज्ञानेन

113. शिक्षायाः आत्मा अस्ति –
(1) शासनम्
(2) अनुशासनम्
(3) प्रशासनम्
(4) अधिशासनम्

114. शिक्षा मनोविज्ञानस्य घटकः अस्ति –
(1) शिक्षकः
(2) शिक्षार्थी
(3) पाठ्यक्रमः
(4) उक्त सर्वे

115. उद्दीपनस्य अनुक्रियायाश्च विकासः कुत्र जायते ?
(1) अनुगमे
(2) आगमे
(3) अधिगमे
(4) अवगमे

116. येन क्रियाविधिना एकं मस्तिष्कं द्वितीयं मस्तिष्कं प्रभावितं करोति सः क्रियाविधिः कथ्यते –
(1) सम्प्रेषणम्
(2) प्रेषणम्
(3) अनुप्रेषणम्
(4) पत्र–प्रेषणम्

117. द्विमार्गी प्रक्रिया अस्ति –
(1) अनुप्रेषणम्
(2) द्विप्रेषणम्
(3) बहुप्रेषणम्
(4) सम्प्रेषणम्

118. अध्यापने अध्यापकस्य प्राधान्यं कस्मिन् कौशले भवति –
(1) सम्प्रेषण कौशले
(2) लेखन कौशले
(3) गृहकार्य कौशले
(4) श्रवण कौशले

119. "थ्योरी ऑफ लर्निंग" इति पुस्तकस्य लेखकः अस्ति

(1) स्किनर
(2) क्रो एण्ड क्रो
(3) हिलगार्ड
(4) थार्नडाइक

120. वुडवर्थ महोदयानुसारं कस्यां अवस्थायां उच्चतमः मानसिक-विकासः भवति –

(1) 10 तः 15 वर्ष पर्यन्तम्
(2) 15 तः 20 वर्ष पर्यन्तम्
(3) 20 तः 25 वर्ष पर्यन्तम्
(4) 25 तः 50 वर्ष पर्यन्तम्

121. टरमेन महोदयानुसारं मन्द बुद्धि-बालकस्य बुद्धि लब्धिः भवति –

(1) 60 तः न्यूनम्
(2) 60 तः 85 पर्यन्तम्
(3) 80 तः 90 पर्यन्तम्
(4) 90 तः 110 पर्यन्तम्

122. इन्पुट डिवाइस अस्ति –

(1) की बोर्ड
(2) मॉनीटर
(3) प्रिन्टर
(4) प्रोजेक्टर

123. संगणकस्य भौतिक उपकरणानि यान्त्रिक उपकरणानि च कथ्यन्ते –

(1) साफ्टवेयर इति
(2) हार्डवेयर इति
(3) साफ्टवेयर हार्डवेयरश्च इति
(4) सूचना तकनीकी यन्त्राणि

124. E. Mail इत्यस्य पूर्णनाम अस्ति

(1) एजुकेशन मेल
(2) इन्जिनीयर मेल
(3) इलेक्ट्रिकल्स मेल
(4) इलैक्ट्रानिक मेल

125. कोरोना काले अस्मिन् कीदृशं शिक्षणं प्रासङ्गिकं वर्तते

(1) कक्षा शिक्षणम्
(2) श्यामपट्ट शिक्षणम्
(3) ऑनलाइन शिक्षणम्
(4) ऑफलाइन शिक्षणम्

126. संगणकस्य क्षेत्रे सर्वप्रथमं फ्रेड कोहेन महोदयेन कस्य शब्दस्य प्रयोगः कृतः

(1) वायरस इति
(2) लेपटाप इति
(3) हार्डवेयर इति
(4) साफ्टवेयर इति

127. दृश्य श्रव्य सामग्री रूपेण सम्प्रति प्रासङ्गिकं वर्तते

(1) पाठ्यपुस्तकम्
(2) दूरदर्शनम्
(3) श्यामपट्टः
(4) सङ्गणकम्

128. अधोलिखितेषु हार्डवेयर इति अस्ति –

(1) माइक्रोसॉफ्ट विन्डोज
(2) वैबकैम
(3) लिनक्स
(4) यूनिक्स

129. "ऋतम्" इति नियमः अस्ति –

(1) कर्मनियमः

(2) सांसारिकः नियमः

(3) नैतिकः नियमः

(4) सत्तायाः नियमः

130. अधोलिखितेषु समुचितं क्रममस्ति –

(1) संहिता, ब्राह्मणः, उपनिषद्, आरण्यकम्

(2) संहिता, ब्राह्मणः, आरण्यकं, उपनिषद्

(3) आरण्यकं, उपनिषद्, ब्राह्मणः, संहिता

(4) ब्राह्मणः, उपनिषद्, संहिता, आरण्यकम्

131. षड्दर्शनेषु गणना न भवति –

(1) सांख्यस्य

(2) मीमांसायाः

(3) जैनस्य

(4) वेदान्तस्य

132. "आत्मा वा अरे द्रष्टव्यः श्रोतव्यो मन्तव्यो निदिध्यासितव्यः" इति कस्येयमुक्तिः –

(1) ऐतरेयोपनिषदः

(2) बृहदारण्यकोपनिषदः

(3) छान्दोग्योपनिषदः

(4) कठोपनिषदः

133. नास्तिकः कथ्यते –

(1) अनीश्वरवादी

(2) क्षणभङ्गवादी

(3) अज्ञानवादी

(4) वेदनिन्दकः

134. भगवद्गीतानुसारं कस्य भावो न विद्यते –

(1) असतः

(2) भूतस्य

(3) द्रव्यस्य

(4) सतः

135. त्रिविधेषु कर्मसु कस्य गणना न भवति –

(1) प्रारब्धकर्म

(2) संचितकर्म

(3) नित्यकर्म

(4) क्रियमाणकर्म

136. प्रस्थानत्रय्यां न परिगण्यते –

(1) उपनिषद्

(2) संहिता

(3) ब्रह्मसूत्रम्

(4) भगवद्गीता

137. अधोलिखितेषु आस्तिकदर्शनमस्ति –

(1) चार्वाकः

(2) जैनः

(3) बौद्धः

(4) वैशेषिकः

138. 'लोकायतम्' इत्यपरं नामधेयमस्ति –

(1) चार्वाकस्य

(2) जैनस्य

(3) बौद्धस्य

(4) न्यायस्य

139. जैनदर्शनानुसारं अन्तरात्मा कतिविधः –

(1) बहुविधः

(2) त्रिविधः

(3) पञ्चविधः

(4) षड्विधः

140. अर्थानां शब्देषु शब्दानां चार्थेष्वारोपो प्रोच्यते –
(1) निक्षेपः
(2) प्रत्यक्षः
(3) संक्षेपः
(4) विक्षेपः

141. सांख्यतत्त्वकौमुदी केन रचिता –
(1) कपिलेन
(2) शंकराचार्येण
(3) वाचस्पतिमिश्रेण
(4) शबरस्वामिना

142. न्यायदर्शनस्य प्रणेता अस्ति –
(1) शंकरः
(2) पतञ्जलिः
(3) कपिलः
(4) गौतमः

143. पतञ्जलेः योगस्य परिभाषा का –
(1) जीवात्मनोः ऐकत्वं
(2) चित्तस्य ऐकाग्र्यं
(3) ईश्वरस्य दर्शनं
(4) चित्तवृत्तिनिरोधः

144. "अथातो धर्मजिज्ञासा" इति सूत्रं केन दर्शनेन सम्बद्धम् –
(1) मीमांसया
(2) वेदान्तेन
(3) सांख्येन
(4) योगेन

145. अधोऽङ्कितानां सुमेलितं चिनुत –
(1) अद्वैतवेदान्तः – अनिर्वचनीयख्यातिः
(2) सांख्यं – असतख्यातिः
(3) न्यायः – सतख्यातिः
(4) मीमांसा – आत्मख्यातिः

146. सुकरातस्य दार्शनिक पद्धत्याः सर्वाधिक वैशिष्ट्यमस्ति –
(1) निगमन पद्धतिः
(2) आगमन पद्धतिः
(3) संशयात्मक पद्धतिः
(4) प्रश्नात्मकं नैपुण्यम्

147. एपालोजी (Apology) इत्यस्य ग्रन्थस्य प्रणेता कः –
(1) पाइथेगोरस
(2) अरस्तु
(3) प्लेटो
(4) सुकरात

148. तर्कसंग्रहानुसारं पदार्थाः सन्ति –
(1) सप्त
(2) अष्ट
(3) नव
(4) दश

149. अधोलिखितेषु गुणः नास्ति –
(1) अपरत्वम्
(2) द्वेषः
(3) पुण्यं
(4) संस्कारः

150. अधोलिखितेषु तर्कसंग्रहानुसारं अनुभवस्य लक्षणं किम् –
(1) सर्वव्यवहारहेतुत्वम्
(2) संस्कारजन्यज्ञानत्वम्
(3) स्मृतिभिन्नज्ञानत्वम्
(4) इन्द्रियजन्यज्ञानत्वम्